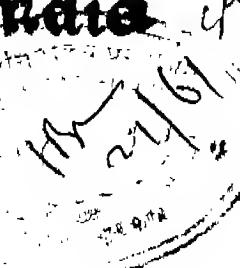




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY



भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र. 258] नई दिल्ली, धूहस्तिवार, दिसम्बर 1, 1988/अग्रहायण 10, 1910

No. 253] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1988/AGRAHAYANA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाले जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य खंडलय

(वाणिज्य व्यापार नियंत्रण)

वाणिज्यक मूलता में ४३-आई दो मी (पी.एन.)/८८-९१

५६ दिसम्बर, 1 दिसम्बर, 1988

सिवाय 1938-39 के छापने लोग तथा वाणिज्यिक वित्तीय के आदान के लिए नाइटेंस प्रवास करता।

का. स. आईपी मंजु/4/10/30/733/718-80 : -लोग तथा वाणिज्यिक वित्तीय के आदान के संबंध में आयात नियंत्रण वीटी अप्रैल 1983-पर्व 1991 के पैदा 155 के ओर ध्यान वित्तीय जाता है, जिसे वाणिज्य वित्तीय का सावैक्षणिक मूलता मंजु ४२-आईपी मी (पी.एन.)/८८-९१ दिनांक २५ नवम्बर, 1988 द्वारा समाप्त किया गया था।

2. दूसोंका प्रावधानों के अनुसार उत्तरी को लाइसेंस दिए जाएंगे जिनमें लागू होंगे यही पांच वर्षों ने किसी भी वर्ष के दौरान भीषं तथा दानवीने/उत्तराखण का आयात किया है। वे वास्तविक उपयोगका जिन्होंने पहले आयात नहीं किया है, भी लाइसेंस पाने के लिए पात्र होंगे। ऐसे आवेदनों के मामले में जिन्होंने पूर्ववर्ती वर्षों में आयात किया है, लाइसेंस संबद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा 1983-84 से प्राप्ते के वर्षों में से लेती भी वर्ष के दौरान किए गए आयातों के मूल्य के 25 प्रतिशत के अनुसार पर आवेदक द्वारा दिए गए शब्दों के अनुसार अधिकतम। लाख (एक लाख) रुपये की राशि के अध्यावेता जारी किए जाएंगे। ऐसे वास्तविक उत्तराखणों के मामले में जिन्होंने भूतकाल में आयात नहीं किए हैं, वरल्जु उनके पास विचाराधीन मद (मदी) की खात है, उनको संबद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा 1983-84 से प्राप्ते के वर्षों की अवधि में से किसी भी वर्ष के दौरान भूतकालीन आपूर्ति खपत के 25 प्रतिशत के अनुसार पर आवेदक द्वारा किए गए शब्दों के अनुसार अधिकतम 1 लाख (एक लाख) रुपये को शर्तों के आधिन लाइसेंस दिए जाएंगे। इस प्रावधान के तहत आयात लाइसेंसों का मूल्यतम मूल्य 5000 (पाँच हजार) रुपये होगा।

3. जिन मामलों में आयातों का 25 प्रतिशत एक साथ रुपये से अधिक हो गया है, उनमें एक साथ रुपये के लाइसेंस संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा जारी किए जाएंगे और बकाया मूल्य के लिए आवेदन मूल्य विषयक, आयात नियंत्रित नहीं किया हो गुणात्मक के प्रभाव पर विचार करने और लाइसेंस जारी करने के लिए जारीगी।

4. आवेदन पत्र सम्बन्धी लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजते हैं। वास्तविक उपयोगका समर्थी लेखापत्र या सागर लेखापाल के प्रमाण पत्र द्वारा समर्पित "के" में पूर्वोक्त वर्षों में से किसी भी वर्ष में आयातित और देशन मद (मदी) के बलम-बलम उपयोग की दराते हुए आवेदन करें। आयात-नियंत्रित नाति और प्रक्रिया पुस्तक के अधीन यथा प्रोतिक्रिया और औद्योगिक लाइसेंस/कंजीकरण प्रमाण पत्र की प्रमाणित पति भी प्रस्तुत करनी चाहिए। ऐसे आवेदनों की प्रायोजक प्राधिकारी के भाष्यमें से जेंगा जन्मा प्रोतिक्रिया नहीं होगा। प्रत्येक आयातकों से आवेदन पत्र समर्थी नेट्रोल या लागत लेखापाल के प्रमाण पत्र के साथ आवेदन द्वारा स्वयं के तात्पर पर पूर्वोक्त वर्षों में से किसी भी वर्ष के दौरान किए गए आयात के लागत भीमा भाड़ा मूल्य की दराते हुए प्रत्यक्ष "के" में जेंगे जाने चाहिए। आयात के विचरण में प्रविष्टि विलों की जारीक और संचय तथा निकासी करने वाले सीमांशुक कार्यालय का नाम भी होगा ताकि लाइसेंसिंग प्राधिकारी किए गए आयातों का पर्याप्त कर सक। मूल प्रविष्टि विल के साथ एक फोटो प्रति भी आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत का जाना चाहिए। आवेदन पत्र संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को करवाई 1989 की मध्यन्तम तारीख को या इस से पहले भेज दिया जाने चाहिए।

के. वी. इरनीराया,
मूल्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 85-ITC(PN) [88-9]
New Delhi, the 1st December, 1988.

Sub : Grant of licences for import of Cloves and Cinnamon|Cassia during 1988-89.

F. No. IPC[4]10[30]733]79-80 :--Attention is invited to Paragraph 155A of the Import and Export Policy April 1988—March 1991 incorporated vide

Ministry of Commerce Public Notice No. 82-ITC(PN) /88-91 dated the 29th November, 1988, regarding import of cloves and Cinnamon/Cassia.

2. In terms of the aforesaid provision, licences will be granted to all those who have imported Cloves and Cinnamon/Cassia during the current year or in any of the last five years. Actual Users who have no past imports will also be eligible for licence. Licences in the case of applicants having past imports will be issued by the licensing authority concerned on the basis of 25 per cent of the value of imports made in any year during the period from 1983-84 onwards, as claimed by the applicant, subject to a maximum of Rs. 1 lakh (Rupees One Lakh). In the case of Actual Users who have no past imports, but have consumption of the item(s) in question, they will be granted licences by the licensing authority concerned on the basis of 25 per cent of the past annual consumption in any year during the period from 1983-84 onwards, as claimed by the applicant, subject to a maximum value of Rs. 1 lakh (Rupees One Lakh). Import licences issued under this provision will have a minimum value of Rs. 5,000/- (Rupees Five Thousand).

3. In cases where 25 per cent of the imports works out to more than Rs. 1 lakh (Rupees One Lakh), licences for Rs. 1 lakh (Rupees One Lakh) will be issued by the concerned licensing authority and for the balance value, the application will be forwarded to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, for consideration and issue of licence on merits.

4. Applications are to be made to the licensing authority concerned. Actual Users shall apply in Form 'A' supported by a certificate of Chartered Accountant or Cost Accountant, indicating consumption separately of imported and indigenous item(s), in any of the aforesaid years. A certified copy of valid industrial licence/registration certificate should also be furnished as required under the Import and Export Policy and Hand Book of Procedures. Such applications will not require to be routed through the sponsoring authority. Application from other eligible importers are to be made in Form 'K' accompanied by a certificate of Chartered Accountant or Cost Accountant indicating the c.i.f. value of imports made by the applicant in his own name during any of the aforesaid years. The statement of imports will also give the numbers and dates of bills of entry and the name of Customs House of clearance to enable the licensing authority to carry out post-verification of imports made. The bills of entry in original alongwith a photocopy should also be furnished alongwith the application. Applications should be made to the licensing authority concerned on or before the last date of February, 1989.

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller of Imports & Exports

